NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH



aglasem.com

Class : 8th
Subject : अर्थशास्त्र
Chapter : 5
Chapter Name : न्यायपालिका

Q1 आप पढ़ चुके है कि कानून को कायम रखना और मौलिक अधिकारों को लागू करना न्यायपालिका का एक मुख्य काम होता है। आपकी राय में इस महत्वपूर्ण काम को करने के लिए न्यायपालिका का स्वतंत्र होना क्यों जरूरी है?

Answer.

- यदि न्यायपालिका पर किसी नेता का नियंत्रण है तो न्यायाधीश स्वतंत्र रूप से फैसले नहीं ले पाते।
- उदाहरण की तौर पर मान लीजिये किसी गरीब नागरिक ने प्रताड़ित होने पर किसी नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।
- अब यदि उस नेता के पास न्यायपालिका का नियंत्रण है तो वो किसी भी न्यायाधीश का तबादला कही भी करवा सकता है।
- ऐसे में न्यायाधीश हमेशा उस नेता के पक्ष में ही फैसला सुनाएगा।
- इसीलिए न्यायपालिका का स्वतंत्र होना बहुत ज़रूरी है।
- हमनें ऐसे कई उदाहरण देखे है जिसमे आमिर और ताकतवर लोगों ने अपनी ताकत इस्तेमाल करके न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की है।
- लेकिन भारत का संविधान ऐसी दखल अंदाज़ी को स्वीकार नहीं करता।
- न्यायपालिका की स्वतंत्रता अदालतों को भारी ताकत देती है।
- इसी ताकत से वे विधायिका और कार्यपालिका द्वारा शक्तियों के दुरुपयोग को रोक सकती हैं।
- यदि किसी भी नागरिक को ऐसा महसूस हो की उसके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है तो वो अदालत के जाकर इसके खिलाफ आवाज़ उठा सकता है,इस प्रकार से न्यायपालिका सबके मौलिक अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

Q2 अध्याय I में मौलिक अधिकारों की सूचि दी गयी है।उससे फिर पढ़े।आपको ऐसा क्यों लगता है कि संवैधानिक उपचार का अधिकार न्यायिक समीक्षा के विचार से जुड़ा हुआ है?

Answer.

- यदि न्यायपालिका को ऐसा महसूस होता है कि कोई कानून संविधान के आधारभूत ढांचे का उल्लंघन करता है तो वो उस कानून को रद्द कर सकते हैं,इसे न्यायिक समीक्षा कहते हैं।
- संवैधानिक उपचार का अधिकार संविधान के अनुछेद 32 में अंकित है,इसके ज़रिये संविधान द्वारा प्रदत्त तमाम मौलिक अधिकार नागरिकों को मिल रहे हैं यह सुनिश्चित किया जाता है।
- यदि कोई ऐसा कानून बनाया गया हो जिससे नागरिकों के लिए संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो तो न्यायिक समीक्षा और संवैधानिक उपचार के अधिकार दोनों द्वारा उस कानून को रद्द किया जा सकते है।

- इस प्रकार से संविधान के ढांचे का उल्लंघन करने वाले किसी भी कानून को रद्द करने के अधिकार की वजह से न्यायिक समीक्षा का विचार और संवैधानिक उपचार का अधिकार एक दूसरे से जुड़े हैं।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

Q3 नीचे तीनो स्तर के न्यायलय को दर्शाया गया है।प्रत्येक के सामने लिखिए की उस इ सुधा गोयल के मामले में क्या फैसला दिया था?अपने जवाब को कक्षा के अन्य विद्यार्थियों से मिलकर देखे।

Answer.

- निचली अदालत:निचली अदालत ने लक्ष्मण और उसकी माँ और उसके जेठ सुभाष चंद्र को दोषी ठहराया और फाँसी की सजा सुनाई।
- उच्च न्यायालय:उच्च न्यायालय ने तीनों को निर्दोष बताया।
- सर्वोच्च न्यायालय: सर्वोच्च न्यायालय ने पर्याप्त सबूत न होने पर सुभाष को बरी कर दिया और लक्ष्मण और उसकी माँ को दोषी ठहराते हुए उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

Q4 सुधा गोयल मामले तो ध्यान रखते हुए नीचे दिए गए बयानों को पढ़िए। जो वक्तव्य में सही है उनपर सही का निशान लगाये और जो गलत है उससे ठीक कीजिये।

Answer.

- आरोपी इस मामले को उच्च न्यायालय लेकर गए क्योंकि वे निचली अदालत के फैसले से सहमत नहीं थे:- सही।
- वे सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय चले गए:- गलत।

कारण: सर्वोच्च न्यायालय उच्च न्यायालय के ऊपर है इसीलिए उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय जाया जा सकता हैं, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्च में नहीं जाया जा सकता।

- अगर आरोपि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से संतुष्ट नहीं है तो दोबारा निचली अदालत में जा सकते हैं:-गलत

कारण: सर्वोच्च न्यायालय सबसे बड़ा न्यायालय है। इसके फैसला सबको मानना पढता है,इसके फैसले के खिलाफ निचली अदालत में नहीं जाया जा सकता।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

Q5 आपको ऐसा क्यों लगता है कि 1980 के दशक में शुरू की गयी जनहित याचको की व्यवस्था सबको इन्साफ दिलाने के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम था?

Answer.

- 1980 के दशक में उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने उन लोगो और संस्थानों को शिकायतें दर्ज करने की अनुमति दी जिनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने ज़्यादा से ज़्यादा लोगो की मदत करने की और न्याय पहुँचाने की कोशिश की।

- इसीलिए 1980 का दशक मे शुरू कि गए जनहित याचिका की व्यवस्थाता दर्ज करने की अनुमति सबको इंसाफ दिलाने के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम था।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

Q6 ओल्गा टेलिस बनाम बम्बई नगर निगम मुक़दमे में दर्ज किये गए फैसले के अंशो को दोबारा पढ़िए।इस फैसले में कहा गया है कि आजीविका का अधिकार जीवन के अधिकार का हिस्सा है।अपने शब्दों में लिखिए की इस बयान से जजो का क्या मतलब था?

Answer.

- आजीविका जीवन जीने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।
- ओल्गा टेलिस बनाम बम्बई नगर निगम मुक़दमे में वे लोग झुग्गी झोपड़िया हटाना चाहते थे,इसीलिए वे उनमे रहने वाले लोगो को कही और रहने के लिए कह रहे थे।
- इन जुग्गियो में रहने वाले लोग छोटे छोटे व्यवसाय करके पैसे कमाते थे।
- यह ही उनके आजीविका का साधन था।
- यदि उन्हें वे उस जगह को छोड़ देते तो उनकी आजीविका भी छूट जाती और जीवन व्यापन करना मुश्किल हो जाता।
- अतः इस बयान से जजो का यह मतलब है कि आजीविका का अधिकार भी जीवन के अधिकार का हिस्सा है।
- रोटी,कपडा और मकान जैसे महत्वपूर्ण आवश्यकता की पूर्ति जीवन के अधिकार का हिस्सा है।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

Q7 'इंसाफ में देरी यानी इंसाफ का कत्ल'इस विषय पर कहानी बनाइये।

Answer.

- एक बार दिनु नाम के एक युवक की सरकारी नौकरी लगने के कारण उसने अपना पुस्तैनी मकान छोड़ कर सरकारी घर में रहना शुरू कर दिया।
- उसने अधिक आमदनी के लिए अपना पुस्तैनी मकान कराए पर दे दिया।
- कई वर्षों बाद जब उसकी सरकारी नौकरी की अवधि समाप्त हो गई तब उसने किराएदार को घर खाली करने के लिए कहा जब उसके किरायदार ने घर खाली करने से इनकार कर दिया तब दिनु ने निचली अदालत में मुक़दमा दर्ज कर दिया।
- कई महीनों के बाद न्यायालय ने दिनु के पक्ष में फैसला सुनाया।
- इस फैसले से असहमत होने के कारण किरायदार ने इस मुक़दमे को उच्च न्यायालय में पेश किया कई तरीके दी गयी और दो साल बाद दिनु पूरी तरह से मुकदमा जीत गया और उसे उसका घर वापस मिल गया, इन दो सालों तक उसे कूद किराये के घर पे रहना पड़ा जिससे उसे बहुत तकलीफ़ हुई।
- इंसाफ में में देरी के कारण उसके साथ इन्साफ हुआ नहीं।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

Q8 अगले पन्ने पर संकलन में दिए गए प्रत्येक शब्द से वाक्य बनाइए।

Answer.

- बरी करना: श्याम के निर्दोष साबित होने पर उससे न्यायाधीश ने बा इज़्ज़त बरी करने का आदेश सुनाया।
- अपील करना:कारखाने के मालिक द्वारा शोषण से परेशान होकर मज़दूरों ने न्यायालय में न्यायाधीश से इंसाफ की अपील की।
- मुआवज़ा: सरकार ने सभी बाड़ पीड़ितों को दो लाख का मुआवजा देने का वादा किया।
- बेदखली: अदालत ने रेलवे स्टेशन के पास जुग्गियो में रहने वाले लोगो को वहाँ से बेदखल कर दिया।

Page : 64, Block Name : अभ्यास

aglasem.com